

सर्वपञ्चमस्तु वा ३ दत्तं वा सुखा २ अथ
नामस्तु दास्यः पञ्चादिस्तु नस्तु लोहः गुह्यं

आर्य समाज
ARNA ARCHIVES

1888

I

21

पश्चिम गङ्गा वायव्य
गङ्गा यद्वनाम धर्मो
त्मा कल्याणवल्लवन्
काष्ठिना काश्य॥

पृथ्वी शुक्ला आग्नेय शुक्ला पश्चि
 म शुक्ला वायव्य शुक्ला दक्षिण
 शत कोषी लाल लाल वाय ॥

वाक नद वरु
 माइ वासि नय
 कुसुम वरु

शुभ शुभ
 शु

पृथ्वी पश्चिम सी सुखा ३ कामनी
 मिरुनी सय सुव धन नाग काय व
 मा देय ॥

दक्षिण आग्नेय सी व
 खा उरु न सी वाय
 दासी वरु धन
 पूरु नाग ॥

दक्षिणसं नैमत्यसं कुर्या
उरुनसं नैमत्यसं कुर्या
खायुषं धननाम ॥

ॐ नैमत्यसं पूर्वसं कुर्या
पश्चिमसं नैमत्यसं कुर्या
निनाजि धननायुषं वृद्धि

वायुसं पश्चिमसं उरु
नसं कुर्या दाजिदवाधि
शयं न्वायययु हा निशयु

दक्षिणसं उरुन
सं नखा उरुना
य. पूरु लो रुहा
लाकनमा न्यया
युव ॥

वायवाभ्युखा आभन
भ्युखा वा ना नल ना
म. २४ खी निन्दा योय
कलरु पय ॥

पूर्वभ्युखा लक
नकाक प्रभाष च
वाक दव सुखी स
पूर्वक लव

उंरुन रुक् च टवाय
भाष वाक किं दव म
गल ॥

पूर्वसंयत्तिमसं स्वावा ३
सदासंयत्ति ३४ खनकव

बुवाकलं बुदव दक्षि
लश को बुखा समरु
सं पलिद यू॥

पश्चिम इका लका
गवु समरु रुधु
ल सहिद यू॥

पश्चिम इका लका
गवु समरु रुधु
ल सहिद यू॥

दक्षि समरु रुधु
पश्चिम इका लका
गवु समरु रुधु
ल सहिद यू॥

वायु वा संप्रतिमसं कृत्वा
उरु न सं कृत्वा दनिहवा
धी. मुखे. नाययय धननाम

पर्वसं दक्षिणसं
कृत्वा न कान लीम
ए. श. य. सर्वदा वा
गना गदय कलरुदय

सर्वसं कृत्वा पूर्वसमद
यसु न्ना दिन धनदय

सर्वसं कृत्वा दक्षिण
समद. धननाम
दृष्टिः॥

स्वर्ष्वदुखाय
मद्यदधननाम
कलहयय॥

धर्ष्वदुखा
पूयधनद
यूशागीरय

पूर्वसनखा, स्वर्ष्वदुखा
श्रीपूयधननाम
ययय॥

उरुसंदहिलस
दुखा, पूर्वपयिभ
सिखा, दुःखीजीगर

पुर्वपश्चिमदक्षिण
सर्वखा उरुग्रस्त
खा धननामी॥

पुर्वसुदक्षिण
गुरु उरुग्रस्तखा
पश्चिमस्थादस
दातामी॥

वृक्षानसुखा
खा आरुग्रस्त
नवनखा सुक
पुण्यदयुदसु
रुनामधाय॥

पुर्व उरुग्रस्तवृक्ष
नगुरुखा सुपुण्य
दुर्व असुरा॥

२८८ रुपां गहाथ क न रूपमान धा घन वा घन गृह गालि श्रु
 न च क क्कादि अष्ट क य ह न व य षा घ न रु ण क न व य मान ॥
 रु ल ॥ अ क गी न अ धि क ध न मान सा न या य पू त स मान दू यि
 वा वि क स रु क ना व य ष ष म न ल न रु ष म अ णि ल ग म व य ॥ ॥
 २ विला न मू दार्थ स गु ल य ह ल न वू ध ४ अष्ट लि म्बु रु न रु
 गं ण ष वा म्बु ध्वा द य ॥ ध्व जी ध्वा मा थ मि ह ग्व सो न रु य ष
 गी ग ज ध्वी रु १ च नि कु म ले व दा या ष्क मू दार्थ ॥

२ दि नु ग न रा षु न व सा त ले गु नु त व वा र ले ना ग ले नु यो
 द ४ द्वे हो सो रा षु पु न दि न ग रा रा षु नि शा ता ४ ३०० ना ग
 ले नु यो द ४ द्वे हो सो रा ता ४ भा गं क मा हा द य द नु त वं यो धे
 र्वा क हो सो वृ वा मा हा जो नु त व त्पो उ द य का ल के म धा नो
 म हो ॥ सो म ध्य पं थ वृ रा षु ए का था व ग्रा ठ श य जो नु त व
 वा र ह रा शि द्दि खि वा धि हो त वा र ह रा शि आ फा नु त व व र
 रा ष्य षि क के उ हो त ग्र ह ध न हो य ठि हो त अ ण ले ए ति वि
 वा नु के नु मा हा यो के नु हो त स्मा हा श य ना ग ले नु सो म ले य

गङ्गा ॥ रुद्रो न वेन्दु इत्यादि मन्दस्व गङ्गा जानु स्वगङ्गा कुम्प
ति तहो मं ध तहो उ कुम्प हो तम गङ्गा हो एति वि चानु यो शिखं
कहो तस्केन स्वगङ्गा नर मे रुद्र तव शय भागं दानु यो नव
हो सो स्वगङ्गा फले माहा आण हो तही नो ध तहो त यो नु तव
तस्व गङ्गा फले कन सत्र वे १७ रुद्र तव दशने भाग ले
नु यो लव हो सो म ध य रुमाहा आण धन व नु सो मन्दस्व
हो भोम हो ॥ अत्र शिष्य कर्म गर्नु ॥ दिन गन राष्ट्र दश १०
ले रुद्र शत्र १७ दश उतु तव पथ क राष्ट्र त ल मो हा शत्र

रि ने १० भाग लेनु यो लव हो सो उ पम हा घटा उतु त
व तिन ले ३ भाग लेनु यो लव हो सो भोम शिष्य हो तव मन्द
गुह पथ क गर्नु तव तिन ले भाग लिया को यो शिष्य हो
सो मन्द य पमाहा घटा उतु तव आण धन विचानु घटा राशि
ले विचारु तव त से के रु माहा शय ले १०० नाग लेनु
यो लव हो सो भोम म्दस्व विद्यादि शिष्य स्वगङ्गा हो
सो स्वगङ्गा कुम्प पटि तहो त धन स्वगङ्गा हो उतु तिन गन हा
शय १०० भाग लिया को यो शिष्य हो सो स्वगङ्गा नर

लेनुनु तव शय १०० भाग लेनु यो लब्ध हो सो खराद
 फल महा खराद मारा होत मारा गर्नु धन होत धन
 गर्नु तव तो मारा धन मारा को यो मारा सो मारा
 मन्दस्य सभ महा मारा होत मारा गर्नु धन होत ध
 न गर्नु सो स्य मारा मारा ॥ त्या राशि स्य मारा राशि
 स्य मारा मारा लेनु यो लब्ध होत भाग लेनु यो लब्ध होत
 सो न मारा स्य मारा ॥ १४५ मारा मन्द गति मारा मारा
 मारा लेनु १७ मारा मन्द गति मारा मारा मारा मारा

यो लब्ध होत मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा
 मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा
 मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा
 मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा
 मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा
 मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा
 मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा
 मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा मारा

॥ ३३ १५ २५ ३० ३१ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १०० ॥
 क र ग घ ङ च छ ज ट ठ ड ढ न प य र ल व श ष स ह ण ॥
 म म ग ग ल ल व व श श ष स ह ॥

॥ २२ ॥ १२ ॥ २० ॥ ३१ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ १०० ॥ १०१ ॥ ११० ॥ १११ ॥ १२० ॥ १२१ ॥
क र व ग य द च ङ रू ऋ ऌ ० उ रे स न थ
ह क ल म ह स म न ल ख ष ङ व ङ ग ङ मि त ण घ च व ग क ष ष र ग्या ब ग न र य व
वामा उ उ य नि दू ग लु क ङ व उ र वा द्वा य ष्वा अ ल व दान क व क र व मू नि नि
व य टं १० न था रू मि री ले लो का ग र ट न व रू द्य न मि न म थ ग
र थ न था १ ग म कि स र वा न र ग म द प्र क नि न व ङ ग नि थ न ज ति क र ङ
न य र म द्वा वी रू व रू न र उ ल नि उ ल धा र व म र्वा द ग मि थ र वा
वो प्र डि ना स्या नू के न य ग ल व य र्ने व व र्वा मि न रू स न्द वी ष क
मि ण ग प्र ग के न रू व र्वा ष रू क म न जा नि या द के व र्वा न्द र्वा
ले क म य ग न्द व र्वा य र्वा म्वा न

२५ गुरुलाल. पञ्चमसूक्त
 स्वादि दनसायमिस्व नाम.
 मयूरुल॥ धन हो निरुल

२३ रुद्रदिगम
 कुरुखा. दनसा
 यममूख नाम
 थवु स नायक
 नृसिय॥

पर्व दिगमसूक्त कुरुखा दन
 सा. थया नाम पुन मूख
 य. भा वा तो सिय॥

दक्षिणसूक्त
 खा दनसा. दिग
 ममूख नाम.
 ऊन धनवा धल
 पिव॥

उलनमं पश्चिम
सं सुखाच्च स्वादं
न सायमसूर्यना
म. सूर्यरुल ॥

सुखं दंद. दहि वरु
कम दंद. वृना नाम
धननाम. श्रीवाववि
न ॥

सुख दंद. पश्चिमरुल
म दंद. यरु सुनाम. पूरु
नाम ॥

सुख दंद. उलनम
द. हिन ल्ध नाम. स
वैपलि सुखरुल ॥

स्वखे दत्त. पर्वसम
द. सु. क. ल. नाम. धन
धर्मो वा धनम् ॥

पखे स. व. वृ. व. क.
नाम. नाम्नाय धन
जनवृद्धिः य ॥

दक्षिणसंखा. पश्चिम
संख्युखा. सिद्धार्थना. ध
न लालदय ॥

पर्वसंख्युखा. उरु
वसंख्युखा. दलुना
म. नाउदलुरुयद
य ॥

पर्वेष्टुटवायदक्षिण्यु
खा. वा दाकनामकल
हादिशय॥

दक्षिण्युखा. उ
रुगुखा. कावग
हनाम. गतिनाम
रुल

पर्वेष्टुखा. यष्टिमंष्टुखा
गृहाष्टिनामः धननाम॥

वृणमनरुकाम
इ. नृदाकनाम. गु
रु. विष्ठादिमान्य
लाय॥

६५४ या ३२ दानथा

यखिगुड

विर्वेक्याय

मासनेयात

वेक्यायया

यानेताम

यनेतोशर

माशोहमरे

रुनो५॥१५

नाया५वेना

गोक्षय२थमु

सिमाशारवा

पनिवानरदे

कंद

सावा

कुिवानमा

२माशो५ख

तिसुमागु

५०२५॥१५

या

मिथ्याखरया५५किहायक॥ननतय॥

५५

सिह

बान

वृकसानाया

सकल॥

५५

५५

५५

५५

शरन्वसमदूपावक
नामभरुयदयदुखि
धननाम॥

नेअखमदूधन
विआदिनामना
गीदु४खि॥

वायुवायुमदूधन
नामदीर्घा नामीज्ञान
हीनरुस॥

दक्षिणसुतकन
सयानक धनना
मदूधखि

यखेसखव २मदूधना
धधननाम अगुरु

जवसमदूधवसन
खाजस सवद यमि
मसनखा दूधखनाम
सिलवक धनपुलार

पश्चिमसुखवश्यद
शतवर्षत्राय धनमु
ला ॥

पूर्वपश्चिमस
सुखामदीदुस
वाधसूगतिथ
सि ॥

उदका नाम गुरु धाय ॥ वामु



मध्यं सुखदत्तसामस्तुला
कवयश्च ॥

पूर्वसं सुखा रक्त
सं सुखा शीता अया
सदय ॥

पर्वसकृत्वा दक्षिणसख
खा. यन्मसखा. सुय
न नाग

आग्नि वायु वायु
दक्षिण वदूय धना
क्षत्राणि ॥

उत्तमसखा कृष्णी
न हीनशय. स्त्रीयानि
मिलिन धनभाय ॥

पर्वसकृत्वा न
अयनसखा
शक. सर्वसंय
लि सुयदय ॥

दक्षिण म्युखा पक्
 ल म्युखा म्युखा सु
 खसंयति जुलीशय
 थयो नाम सुककु
 धायशला ॥

यादिस संकु
 कुखा सर्व
 र्थनाम य
 लितशय

न्नीमानसं ज्ञानय
 संदेक्षि लय म्ये म
 संकुखा विद्या लारु

पखसं पक्कन
 संकुखा लकन
 काक संयतिद
 य ॥

यदिगस्यदकु
नसशकोक्याकु
खा.समसुमंगल

पूर्वसुसुमदसु
कुशकुशदयसि
मसुसुद.सुपति
मंगलकीर्ति॥

यकुसुसुदव.प
शुसुसुद.धनादि.
लारुगकुनाम॥

यन्त्रिमसुमल
कुशामदवाक
कुंदव.अनिद
8खिदुय

पूर्वसमस्तक
मद्रु. महा रा
गी दीर्घाय पूर
धन ला रु ॥

वायु यन्त्र नमस्त
कच मद्रु. सप्त
लक द व

पूर्वसमस्तक स्वरया लकनकाक, पश्चिम स्वरया
लकनकाक डलु व द क्रि रा म्क रया, धनादि पूर
विशा समस्त ला रु द य ॥